# संसद सदस्यों ने श्री जी.वी. मावलंकर को श्रद्धांजलि दी

नई दिल्ली, 27 नवम्बर, 2015: लोक सभा अध्यक्ष, श्रीमती सुमित्रा महाजन; केन्द्रीय वित्त मंत्री, कारपोरेट कार्य मंत्री तथा सूचना और प्रसारण मंत्री, श्री अरुण जेटली; केन्द्रीय शहरी विकास, आवास और शहरी गरीबी उपशमन मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्री, श्री एम. वेंकैया नायडू; राज्य सभा के उप सभापति, प्रो. पी. जे. कुरियन; लोक सभा के उपाध्यक्ष, डॉ एम. तम्बिदुरै और पूर्व उप-प्रधानमंत्री श्री लाल कृष्ण आडवाणी के नेतृत्व में संसद सदस्यों ने आज संसद भवन के केन्द्रीय कक्ष में लोक सभा के पूर्व अध्यक्ष, श्री जी.वी. मावलंकर की जयंती पर श्रद्धासुमन अर्पित किए ।

श्री जी.वी. मावलंकर को श्रद्धांजलि देने वाले विशिष्टजनों में अनेक केन्द्रीय मंत्री, संसद सदस्य और भूतपूर्व संसद सदस्य शामिल थे । लोक सभा के महासचिव, श्री अनूप मिश्र और राज्य सभा के महासचिव, श्री शमशेर के. शेरिफ ने भी श्री मावलंकर को श्रद्धासुमन अर्पित किए।

इस कार्यक्रम में भाग लेने वाले विशिष्टजनों को लोक सभा सचिवालय द्वारा हिन्दी और अंग्रेजी में प्रकाशित श्री जी.वी. मावलंकर के जीवनवृत्त वाली पुस्तिका भेंट की गई ।

एक प्रख्यात स्वतंत्रता सेनानी, गहन संसदीय अनुभव के धनी और संसदीय पद्धतियों तथा प्रक्रियाओं के ज्ञाता, श्री जी.वी. मावलंकर ने अपना विधायी जीवन 1937 में तत्कालीन बम्बई विधान सभा के लिए निर्वाचन और तदुपरांत विधान सभा अध्यक्ष हेतु चयन के साथ आरंभ किया। वह 1946 तक इस पद पर रहे । तत्पश्चात् श्री मावलंकर जनवरी 1946 में छठी केन्द्रीय विधान सभा के सदस्य तथा अध्यक्ष के रूप में निर्वाचित हुए । वह 14-15 अगस्त, 1947 की मध्य रात्रि तक केन्द्रीय विधान सभा के अध्यक्ष रहे और उन्होंने 17 नवम्बर, 1949 से संविधान सभा (विधायी) की अध्यक्षता की । 26 नवम्बर, 1949 को स्वतंत्र भारत के संविधान को

अंगीकार किए जाने के साथ ही श्री मावलंकर अंतरिम संसद के अध्यक्ष बने और प्रथम लोक सभा के गठन तक इस पद पर रहे । श्री मावलंकर 15 मई, 1952 को प्रथम लोक सभा के अध्यक्ष के रूप में निर्वाचित हुए और 27 फरवरी, 1956 को अपने निधन तक इस पद पर रहे ।